CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA, MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)

AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

तमसो मा ज्योतिर्गमय

M.A –HINDI SYLLABUS

2025-26

(Dr. PRERNA PANDEY)

CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA,
MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)
AFFILIATED
SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1.	Dr.Meera Chourasia	Asst. Professor (Head)	Convener
2.	Dr. Prerna Pandey	Asst. Professor	Expert
3.	Dr. Ajeet Tomar	Asst. Professor	Expert
4.	Shri Ashutosh Sharma	Asst. Professor	Member
5.	Saloni	Alumini	Member

(1) PG Diploma/Honours/Honours in the Core Subject - HINDI

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0	.	Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSC
CourseCode: DSC7	Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र	

Course Outcome

CO1. शिक्षार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी काव्य लक्षणों, काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषयवस्तु से लेकर उसके वृहद् सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3.विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरूप रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य सम्प्रदाय अस्तित्व में आए, जो पश्चिमी काव्य चिंतन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलती। शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिंतन की विलक्षणता, गहनता और सैद्धान्तिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4 | Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।	10
Unit II	रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण	10
Unit III	अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय	10
Unit IV	ध्वनि संप्रदाय	10
Unit V	वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - VII

(2) CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
GROUP- 1			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE5	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदबरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

(5)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
CourseCode: DSE6	Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में [illegible] प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व [illegible] बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिसमें उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदासः भ्रमरगीत सारः संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	तुलसीदासः विनयपत्रिकाः (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	10
Unit III	केशवदासः संक्षिप्त रामचन्द्रिकाः संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन)रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	बिहारीः बिहारी रत्नाकरः संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर(व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंदः घनानंद कवित्तः संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(7)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी आलोचना	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
Course Code: DSE7	Course Title: हिन्दी आलोचना	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के विकास क्रम का अध्ययन करते हुए आलोचना परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए ऐतिहासिक, सैद्धान्तिक और व्यावहारिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए साहित्येतिहास की मौलिक समझ और ऐतिहासिक-सैद्धान्तिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी में प्रगतिशील आलोचना, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भाषा एवं समाज के अन्तःसम्बन्धों का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी की मार्क्सवादी- प्रगतिशील आलोचना, नयी समीक्षा तथा हिन्दी में पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्तों के अनुप्रयोगों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी मुक्तिबोध के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए कामायनी जैसे आधुनिक महाकाव्यों तथा आधुनिक कविता के आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी डॉ. नगेन्द्र के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए भारतीय परम्परा के रस सिद्धान्त की आधुनिक व्याख्या तथा प्राचीन पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा के नवीन अनुशीलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी आलोचना : परिचय, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त	10
Unit III	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit IV	डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit V	नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit VI	विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध एवं डॉ. नगेन्द्र का आलोचना कर्म	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
3. हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(a)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject अथवा		Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
Programme: – Hindi			
Course Code: DSE7 A	Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि		

Course Outcomes:

CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।

CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की रूपरेखा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

(10)

Unit I	अनुसंधान का स्वरूप,अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना	10
Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	10
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-समीक्षा	10
Unit V	शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उद्देश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ- उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि – सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP-2	Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
Programme: -HINDI		
CourseCode: DSB3	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेश रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

(12)

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदवरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा.वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

(15)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE6	Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उल्लिखित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें अध्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	तुलसीदास: विनयपत्रिका: ((व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	10
Unit III	केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन)रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	बिहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर(व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject	Year: IV	Semester:VII Paper- GE
Programme: – Hindi		
Course Code: GE7	Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	

Course Outcomes:
CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

(18)

Credits:4 Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ.	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial. Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भ् ह राजूरकर, एवं डॉ.राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

(17)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE5	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेश रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

(18)

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदवरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

(19)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject	
Programme: -HINDI	Year: IV Semester:VII Paper- GE
CourseCode: GE7	Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप

Course Outcomes:

CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है

CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकि, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ.	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भ् ह राजुरकर, एवं डॉ.राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

(21)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी पत्रकारिता	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- GE
Course Code: GE⁸	Course Title: हिन्दी पत्रकारिता	

Course Outcomes:

CO1. पत्रकारिता रोज़गार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका विस्तार बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समाचार-संकलन तथा सम्पादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन, दृश्य सामग्री आदि का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी भारतीय संविधान, प्रेस कानून तथा पत्रकारिता की आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है।

COS. समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा, आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4 | Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	10
Unit II	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। समाचार के विभिन्न स्रोत : संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।	10
Unit III	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।	10
Unit IV	इलैक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता। लोक-संपर्क तथा विज्ञापन। प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।	10
Unit V	मुक्त प्रेस की अवधारणा।प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी पत्रकारिता हमारी विरासत : प्रो. शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंसार : ठाकुरदत्त शर्मा आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रेसक़ानून और आचार संहिता : शशि प्रकाश राय, आर के पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

(23)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi		Year: IV Semester:VII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

(24)

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprepreneurship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

(25)

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject	
Programme: -HINDI	Year: IV Semester:VIII Paper-DSC
Course Code: DSC8	Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो, अरस्तू तथा लोंगिनुस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा काव्य- सत्य, अनुकरण व विरेचन, त्रासदी विवेचन, उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अंग्रेजी के महत्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, आई. ए. रिचर्ड्स और टी. एस. इलियट, वर्ड्सवर्थ और कालरिज के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग्रेजी कवि वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का ऐतिहासिक परिचय और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Course

(26)

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत	10
Unit II	अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइनस: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।	10
Unit III	मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद,	10
Unit IV	आई. ए. रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी. एस. इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	10
Unit V	वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना और फैंटेसी सिद्धांत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : सम्पादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

27

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- i		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE 8	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	

Course Outcomes:

CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद वरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभु, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4 — Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3.हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)

29

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE9	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4. विद्यार्थी हिन्दी के गद्य साहित्य के उद्भव, विकास एवं गद्य की प्रमुख विधाओं [illegible] है।

CO5. विद्यार्थी आधुनिक गद्य के अन्तर्गत अन्य गद्य साहित्य और उनकी विधाओं [illegible] संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्त, डायरी, रिपोर्ताज आदि का [illegible] ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Discipline Specific Electives

Credits: 4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी कविता, पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का अन्य गद्य साहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्त, डायरी, रिपोर्ताज आदि।	12
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	12

पाठ्यपुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – [illegible]

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्ज़, नई दिल्ली

(31)

(32)

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – HINDI	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE
Course Code: DSE[10]	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में स्त्री विमर्श के बहुत आरंभिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों/पद्धतियों का रचनात्मक एवं

सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Discipline Specific Electives

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव झाँसी।	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद: कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।	10
Unit III	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा. रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए 'राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
Unit IV	सुमित्रानंदन पंत: रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद: नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. छायावाद – प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 2		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit (35)	Discipline Specific Electives	
	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएं।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इला

39

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
CourseCode: DSE9	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय [illegible]

(37)

ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4 — Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृतांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मला डैला एवं रेखा डैला, प्रयायन, अलीगढ़

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: IV Semester: VIII Paper- GE
Course Code: GE³	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में साहित्य के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित विश्लेषण का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Generic Elective

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	10
Unit IV	अस्तित्ववाद	10
Unit V	संरचनावाद	10
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियां, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

50

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
GROUP- 3			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद वरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

(11)

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के कलात्मक शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4 | **Discipline Specific Electives**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3.हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

42

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
CourseCode: GE7	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी यूरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credit-4 (13) Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पूर्वपीठिका	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	[illegible]वाद	8
Unit IV	अस्तित्ववाद	8
Unit V	[illegible]वाद	8
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminar, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ –

1. उत्तर आधुनिकतावाद – नई प्रवृत्तियाँ, [illegible], राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, [illegible] प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उत्तरआधुनिकता (बहुआयामी संदर्भ), पांडेय शशिभूषण शीतांशु

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : कबीर	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE10	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : कबीर	

Course Outcomes:

CO1. विश्व की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिकालीन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व भर में उन पर शोधकार्य हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

45

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4 Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	व्याख्या हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (पद संख्या : 160-209)	20
Unit II	भूमिका : कबीर ग्रंथावली- परिमार्जित पाठ- संपा. श्यामसुंदर दास: नवीन परिमार्जित संस्करण- पुरुषोत्तम अग्रवाल राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली	15
Unit III	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. कबीर की खोज : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर की चिंता – बलदेव वंशी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर : सम्पादक – विजयेंद्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

(46)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: – Hindi	Year: IV Semester: VIII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterpreneurship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

(18)

Master's in Core Subject- HINDI

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : लोक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper-DSC
Course Code: DSC9	Course Title: लोक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मूल लोक परम्परा होती है, जिससे उस राष्ट्र और समाज के समग्र सामाजिक चरित्र का निर्माण होता है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्वपूर्ण माना गया है तथा विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्व का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोक संस्कृति और लोक साहित्य के विविध सैद्धान्तिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया(संकलन तथा पाठ निर्धारण) का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करना है।

CO6. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करना है।

Credits: 4 | Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।	10
Unit II	लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य का स्वरूप	10
Unit III	अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।	10
Unit IV	लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।	10
Unit V	लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य : श्यामपरमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. 21 श्रेष्ठ लोककथाएँ उत्तराखंड, सम्पादक – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली

55

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[4]	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

(51)

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ल

53

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE-12	Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करताहै।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडन: (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारु (हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारी सिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलास शर्मा), साहित्य का सार (डॉ.नगेन्द्र), [illegible](विद्यानिवास मिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), [illegible] (कुबेरनाथ राय),निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला जैन बोरा एवं डॉ. रेखा कैला, संभावना प्रकाशन, अलीगढ़

(54)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : भाषा विज्ञान	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi		Year: V Semester:IX Paper- DSE
Course Code: DSE[U]	Course Title: भाषा विज्ञान	

Course Outcomes:

CO1. Linguistics अर्थात् भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय भी है। अत: इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था, भाषा व्यवहार और उसके महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन-शाखाओं यथा स्वन, स्वनिम, रूप, रूपिम, वाक्य, अर्थ आदि का सैद्धान्तिक व तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।	15
Unit II	स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।	15
Unit III	रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त- आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण,गहन संरचना और बाह्य संरचना।	12
Unit IV	अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

सहायक ग्रंथ –

1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अद्यतन भाषा विज्ञान : पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय भाषा विज्ञान : किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान – सैद्धान्तिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

56

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 2		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[u]	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रहीं जीवन स्थितियों और नए सकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उनके विकासात्मक स्थान, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4 — Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(58)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper- DSE
CourseCode: DSE12	Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours

59

Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडन: (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारु(हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारी सिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलास शर्मा), साहित्य का स्तर)डॉ.नगेन्द्र, आम्रमंजरी(विद्यानिवास मित्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), रामचः करुणोरसः (कुबेरनाथ राय),निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएं : डॉ. निर्मला ढैला बोरा एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

SEMESTER-IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester:IX Paper:- GE
Course Code: GE[u]	Course Title: गढ़वाली साहित्य

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4	Generic Elective

(6)

Unit	Topic	No. of Hours
खंड (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	गढ़वाली लोकगीतः गोविन्द चातक में संकलित देवतां की थाती, मेरो गढ़वाल, जाग, बीजी जावा, नगेला, आजा झाड़, छौलका, ब्याई, फ्यूली रौतेली बैदेश जौला लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुररोड देहरादून	10
Unit II	गढ़वाली लोक गाथाएँ - : गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून। व्याख्या हेतु प्रारंभ की पांच कहानियां	10
Unit III	गढ़वाल की लोक कथाएं : डॉ० शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ)	10
खंड (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	बुरांश को पीड़ः मोहनलाल नेगी, सदेई तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के पचास छंद) सिंह सूक्तियां, हमारि जननी– भजन सिंह 'सिंह', देव बड़ को वर्णन– चंद्रमोहन रतूड़ी, दिनदिन– भगवती चरण निर्मोही, ब्वे की चिट्ठी– सुदामा प्रसाद प्रेमी , मुट्ठ बोटिक रख–नरेन्द्र सिंह नेगी	10
Unit V	खबेश– प्रेमलाल भट्ट(निबन्ध), क्या गोरी क्या सौंली–गोविन्द चातक (निबन्ध)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययनः मोहनलाल बाबूलकर, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2 . भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भः मध्यहिमालयः डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.. गढ़वाली लोकगीतः एक सांस्कृतिक अध्ययनः डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुलभ प्रकाशन
5. गढ़वाली लोकगाथाएं: गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृतिः डॉ० मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र , दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
9. . गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ० हरिदत्त भट्ट 'शैलेष', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. . उत्तराखण्ड की लोकगाथाएं–एक विवेचनः डॉ० प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।

62

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
GROUP-3			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[u]	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

(63)

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत स्वरूप, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(54)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester: IX Paper- GE
Course Code: GE^II	Course Title: गढ़वाली साहित्य

Course Outcomes:

CO1 भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3 शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

(65)

Generic Elective

Credits:4	Topic	No. of Hours
Unit		
खंड (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	गढ़वाली लोकगीतः गोविन्द चातक में संकलित दैंतों की थाती, गरो गढ़वाल, जाग, बौजी जाया, नगेला, आज्ञा प्रार्थ, गढ़वाली लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुररोड देहरादून छोलका, ब्याई, फ्यूली रौतेली बैदेश जौला लोकगीत	10
	व्याख्या हेतु प्रारंभ की पांच कहानियां	10
Unit II	गढ़वाली लोक गाथाएँ : गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।	10
Unit III	गढ़वाल की लोक कथाएं : डॉ० शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ)	
खंड (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	तुलश की पीड़: मोहनलाल नेगी, सदेई तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के पचास छंद)	10
	सिंह सूक्तियां, हमारि जननी– भजन सिंह 'सिंह', देव बड़ को वर्णन– चंद्रमोहन रतूड़ी, ढिनढिग– भगवती चरण निर्मोही,	
	घी की चिट्ठी– सुदामा प्रसाद प्रेमी , मुद्व चोटिक रख–नरेन्द्र सिंह नेगी	10
Unit V	खबेरा– प्रेमलाल भट्ट(निबन्ध), क्या गोरी क्या सौंळी–गोविन्द चातक (निबन्ध)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययनः मोहनलाल बाबूलकर, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भः मध्यहिमालयः डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गढ़वाली लोकगीतः एक सांस्कृतिक अध्ययनः डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुलभ प्रकाशन
5. गढ़वाली लोकगाथाएं: गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृतिः डॉ० मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र , दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
9. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ० हरिदत्त भट्ट 'शैलेष', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

(66)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : गढ़वाली भाषा	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE12	Course Title: गढ़वाली भाषा	

CO 1. साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है। गढ़वाली भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली और गढ़वाली भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

CO 2 . शिक्षार्थी गढ़वाली के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी गढ़वाली के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गढ़वाल शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, गढ़वाली की मानक वर्तनी।	12

(67)

Unit II	गढ़वाली भाषा का विकास : उद्भव और क्रमिक विकास, गढ़वाली भाषी क्षेत्र, गढ़वाली की विविध बोलियां	12
Unit III	गढ़वाली का व्याकरण : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि	12
Unit IV	गढ़वाली शब्द : संरचना – गढ़वाली शब्दसम्पदा(शब्द समूह), वर्गीकरण, गढ़वाली के कोश विषयक कार्य ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली भाषा और संस्कृति : डॉ० गुणानंद यादव, लोकमित्र प्रकाशन, दिल्ली।
2. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
3. गढ़वाली भाषा की शब्द संपदाः रमाकांत बेंजवाल,
4. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
5. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ० हरिदत्त भट्ट"शैलेश", तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. उत्तराखण्ड समग्र ज्ञानकोशः डॉ० राजेन्द्र प्रसाद बलोदी, विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, देहरादून।
7. उत्तराखण्ड का जन इतिहास, लोकसंस्कृति एवं समाजः डॉ० विजय बहुगुणा, समयसाक्ष्य, देहरादून।
8. उत्तराखण्ड की लोकगाथाएं–एक विवेचनः डॉ० प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।
9. गढ़वाली गद्य परंपरा–इतिहास से वर्तमानः डॉ० अनिल डबराल, तनुज प्रासेस, दिल्ली।
10 मध्य हिमालय, भाषा, लोक और प्राचीन स्थान–नामः ताराचंद त्रिपाठी,

(69)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6		
Unit	Topic	No. of

65

		Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper-DSC
CourseCode: DSC10	Course Title: भारतीय साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी भारतीयता की मूल भावना, भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजशास्त्र से परिचित होता है।

CO2. शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समस्याओं से परिचित होता है।

CO3. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग(मलयालम, तमिल, तेलगु व कन्नड़), पूर्वी भाषा वर्ग (उड़िया, बंगला, असमिया व मणिपुरी तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग(मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी व उर्दू) के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित अनूदित पुस्तकों के अध्ययन से भारतीय साहित्य का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से जनसाधारण के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता, विराटता व अखंडता का साक्षात्कार करता है।

CO7. शिक्षार्थी में राष्ट्रगौरव और राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है

Credits: 4	Discipline Specific Cou--

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	1. भारतीय साहित्य का स्वरूप 2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं 3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब 4. भारतीयता का समाजशास्त्र 5. हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय मूल्य	15
Unit II	दक्षिणात्य भाषा वर्ग : तमिल , तेलुगु , कन्नड़ , मलयालम पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया , बंगला , असमिया , मणिपुरी	25
Unit III	पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग: मराठी , गुजराती , कश्मीरी , पंजाबी , उर्दू उपरोक्त भाषाओं के साहित्य का परिचय , विशेषताएं व प्रतिनिधि रचनाकार	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	05

सहायक ग्रंथ –

1. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : एहतेशाम हुसैन,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मराठी और उसका साहित्य : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य की भूमिका– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम, , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य : लक्ष्मीकांत पांडेय एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

72

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper-DSE
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	

Course Outcomes:

CO1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक- रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए नायक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Discipline Specific Elective

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	लोकरत्न गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	05
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी - (व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुलों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश बच्चे कविताएँ)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली.
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper- DSE
CourseCode: DSE15	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान पाप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कलप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य(स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

75

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखंड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धांतिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit II	सुभाष पंत : पहाड़ चोर (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	सात कहानियाँ (1.रज्जो-रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2- अर्द्धांगिनी- शैलेश मटियानी, 3. कोसी का घटवार - शेखर जोशी, 4. फट जा पंचधार-विद्यासागर नौटियाल, 5. खाका-मोहन थपलियाल, 6. पास - नवीन कुमार नैथानी 7-बेटे की मां - कुसुम भट्ट) संपा.डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बातें -मुलाकातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सुभाष पन्त :सृजन और रचना कौशल : सविता मोहन
4. पत्रकारिता के युग निर्माता : मनोहर श्याम जोशी : प्रभात रंजन , प्रभात प्रकाशन दिल्ली .
5. कथा पुरुष शैलेश मटियानी : प्रकाश मनु , आलेख प्रकाशन

76

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आधुनिक हिन्दीकाव्य(छायावादोत्तर)	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester:X Paper- DSE
Course Code: DSE-6	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर)

Course Outcomes:

CO1. विद्यार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक संदर्भ व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. विद्यार्थी दिनकर के महाकाव्य उर्वशी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्व्याख्या का संधान करता है, जिससे उसे भेदबुद्धि यथा पाप-पुण्य, स्वर्ग-नर्क, ऊँच-नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना, प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3. विद्यार्थी नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है। वह देश की वंचित, विपन्न, जातीय व वर्गीय शोषण की शिकार साधारण जनता की पीड़ा और संघर्ष को समझने की प्रेरणा पाता है तथा कविता में उस पीड़ा और संघर्ष की अभिव्यक्ति से काव्य-प्रयोजन की एक सर्वथा नवीन दिशा का ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO4. विद्यार्थी अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, लीलाधर जगूड़ी, अशोक वाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी छायावादोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Discipline Specific Elective

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता का परिचय। प्रमुख काव्यान्दोलन	10
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता	10
Unit III	रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग) प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	10
Unit IV	वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, मेरी भी आभा है इसमें, प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर तिलकित भाल, यह दन्तुरित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबी चूड़ियाँ, खुरदरे पैर, फिर तो नहीं आती है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बन्दूक) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	समय राग - संपादक: डा. मधुबाला नयाल: (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. कल्पना का उर्वशी विवाद : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी कविता : ए अरविन्दाक्षन,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. कई उम्रों की कविता:शिरीष कुमार मौर्य, आधार प्रकाशन
5. नागार्जुन और उनकी कविता : नंदकिशोर नवल राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,

(78?)

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP-2	Year: V	Semester-X Paper-DSE
Programme: -HINDI		
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	

Course Outcomes:

CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक- राजनैतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

85

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी -(व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुरखों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश बर्फ़ी कविताएँ)	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली.
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: -HINDI	Year: V Semester-X Paper- DSE
CourseCode: DSE15	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान पाप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य(स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखंड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धांतिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान [illegible] ज्ञान प्राप्त करता है।

(8)

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit II	सुमित्र पंत : पहाड़ चोर (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	सात कहानियाँ (1.रजो-रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2- अर्द्धांगिनी- शैलेश मटियानी, 3. कोसी का घटवार - शेखर जोशी, 4. फट जा पंचधार-विद्यासागर नौटियाल, 5. खाका-मोहन थपलियाल, 6.पारस - नवीन कुमार नैथानी 7-बेटे की मां - कुसुम भट्ट) संपा.डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बातें -मुलाकातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. संवेद- मुझे अच्छी तरह से देख (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक -https://notnul.com

(82)

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester:X Paper- GE
Course Code: GE13	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद

Course Outcomes:

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विकलांग भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।

CO3.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

(83)

CO5.प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार है। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।
CO6.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

89

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: HINDI	Year: V	Semester-X Paper-DSE
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	

Course Outcomes:

CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक- राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

85

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए मेबाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में प्रमुख हस्ताक्षर हैं। देश और उत्तराखंड में पहाड़ उदारवाद, निजीकरण और बिभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी (व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुश्तों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश बच्ची कविताएँ)	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

88

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester:X Paper- GE
Course Code: GE13	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद

Course Outcomes:

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।

CO3.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

(30)

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:X Paper- GE
Course Code: GE14	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई मीमांसा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और प्रेम माधुर्य की सगुणोपासना के विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य-व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी ईश्वर की लौकिकता और उससे सम्भव हुई संसार और समाज की शुभता का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नैतिकता का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hou-

Unit I	सूरसागर सार - संपा. धीरेन्द्र वर्मा: चयनित 25 पद टिप्पणी: सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।	25
Unit II	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	25
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूर-साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूरदास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर-विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:X Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I	Dissertation on Major	

OR		
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

****